2023

HINDI

(Skill Enhancement)

Paper : HIN-SE-6014

(भाषा-शिक्षण)

Full Marks : 50

Time : 2 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×4=4

(क) 'आग' शब्द का तत्सम रूप क्या है?

(ख) 'चिह्न' और 'चिन्ह' में से सही वर्तनी कौन-सी है?

(ग) 'बादल', 'धरती', 'गृह', 'गगन' में से 'आकाश' शब्द का पर्यायवाची रूप क्या है?

(घ) हिन्दी के 'परिवार' शब्द के लिए असमीया में कौन-सा शब्द (उसी अर्थ में) प्रयुक्त होता है?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×3=6

(क) तत्सम और तद्भव शब्दों के कोई दो अंतर बताइए।

(ख) 'कुल' और 'कूल'—इन दो लगभग समश्रुत शब्दों के अर्थ का अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) भाषा के संदर्भ में 'मानक' शब्द से क्या अभिप्राय है?

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 5×2=10

(क) देशज और विदेशज शब्दों से क्या तात्पर्य है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) कृत्रिम शब्द से क्या अभिप्राय है? सोदाहरण बताइए।

(ग) "भाषाविज्ञान के मूल में व्याकरण का बोध अनिवार्य है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(घ) निम्नलिखित अनेक शब्दों के समूह के लिए एक शब्द लिखिए :

(i) जहाँ पहुँचा न जा सके

(ii) जिसे कभी बुढ़ापा न आए

(iii) थोड़ा जानने वाला

(iv) शिव का उपासक

(v) अच्छे आचरण वाला

4. निम्नलिखित प्रश्नों के सम्यक् उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) हिन्दी भाषा के शब्द-भंडार की विशेषताओं की समीक्षा कीजिए।

अथवा

वाक्य-विन्यास से क्या तात्पर्य है? हिन्दी भाषा के शुद्ध वाक्य-विन्यास को उदाहरण सहित समझाइए।

(ख) देवनागरी लिपि के इतिहास को संक्षिप्त रूप में लिखिए।

अथवा

देवनागरी लिपि के कंप्यूटरीकरण के संदर्भ में संक्षेपण-संशोधन की आवश्यकता पर विचार कीजिए।

(ग) हिन्दी भाषा के भविष्य पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

हिन्दी और असमीया में प्रयुक्त होने वाले प्रमुख विशिष्ट शब्दों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत कीजिए।

★★★

(घ) सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

"बहुतरेतो आशा थाके। आशा लैयेइ मानुह जीयाइ थाके। एयेइ मानुहर जीवनर अवलम्बन, कर्मइ प्रेरणा, आरु सपोनर उत्स। ताकेइ भाबो जे दीर्घदिन जीयाइ थका एक निदारुण अभिशाप। आशाबोर मरहि जाय सपोनबोर भागि जाय।"

अथवा

"तुमि मोक क्षमा करा। मइ अपेक्षा करिब नोवारिलों। करार उपाय नाछिल। निजके अपराधी बुलि केतियाओ नेभाबिबा। तोमार कोनो दोष नाइ। सदियालै गले आमार खहि जोवा घरटो चाबलै चेष्टा करिबा। माथो बान-पानीत उटि गलो बुलि धरिबा।"

★★★